



अरली लाइटनिंग डिटिक्शन ससिस्टम

चर्चा में क्यों?

सूत्रों के अनुसार, उत्तर प्रदेश सरकार अरली लाइटनिंग डिटिक्शन ससिस्टम स्थापित करने की योजना बना रही है।

- इस प्रणाली का उद्देश्य राज्य में विशेषकर मानसून के दौरान, **तड़िति** (Lightning) के कारण होने वाली **जनहाना** को रोकना है।

मुख्य बडि:

- **भारत मौसम वजिज्ञान वभिाग (IMD)** की रपिर्ट के अनुसार, तड़िति के कारण होने वाली मृत्यु में सभी राज्यों में से उत्तर प्रदेश सबसे आगे है।
- मुख्यमंत्री के नरिदेश पर **राज्य आपदा प्रबंधन प्राधकिरण (SDMA)** ने पूरे राज्य में **आगमन समय (ToA) तकनीक** पर आधारति अत्याधुनकि वदियुत पहचान प्रणाली स्थापति करने का नरिणय लया, जो समय और स्थान के बारे में अधकि सटीक है।
 - **IMD वर्तमान** में कसिी क्षेत्र में तड़िति की संभावना के बारे में चेतावनी देने के लया **रडार-आधारति प्रणालयाँ** और **उपग्रह डेटा** पर नरिभर करता है, लेकनि इसे वास्तवकि समय की चेतावनी नहीं माना जाता है।
 - **ToA-आधारति प्रणाली** कसिी वशिष क्षेत्र में तड़िति की संभावना का कम-से-कम 30 मनिट पहले सफलतापूर्वक पता लगा सकती है और चेतावनी दे सकती है।
- उत्तर प्रदेश लाइटनिंग अलरट प्रबंधन प्रणाली तीन चरणों में स्थापति की जाएगी।
 - पहले चरण में इसे 37 ज़िलों में लागू कया जाएगा।
 - दूसरे और तीसरे चरण में इसे क्रमशः 20 और 18 ज़िलों में स्थापति कया जाने की आशा है।

रडार (रेडयाँ डिटिक्शन और रेंज़गि)

- यह एक उपकरण है जो स्थान (श्रेणी एवं दशा), ऊँचाई, तीव्रता और गतशील तथा स्थरि वस्तुओं की गतिका पता लगाने के लया माइक्रोवेव क्षेत्र में वदियुत चुंबकीय तरंगों का उपयोग करता है

भारत मौसम वजिज्ञान वभिाग

- IMD की स्थापना वर्ष 1875 में हुई थी। यह देश की राष्ट्रीय मौसम वजिज्ञान सेवा है और मौसम वजिज्ञान एवं संबद्ध वषियाँ से संबधति सभी मामलों में प्रमुख सरकारी एजेंसी है।
- यह भारत सरकार के पृथ्वी वजिज्ञान मंत्रालय की एक एजेंसी के रूप में कार्य करती है।
- इसका मुखयालय नई दलिली में है।
- IMD **वशिष मौसम वजिज्ञान संगठन** के छह क्षेत्रीय वशिषिट मौसम वजिज्ञान केंद्रों में से एक है।

